वर्ष :: 34 अंक : 08
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 19 नवंबर, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

विकास की सौगात दे गए पीएम मोदी

विशेष संवाददाता

रांची : जनजातीय गौरव दिवस को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का झारखंड दौरा प्रदेश की उन्नति में मील का पत्थर माना जा रहा है। झारखंड दौरे के जरिए प्रधानमंत्री राज्य को हजारों करोड़ रुपए की सौगात दे गए। खूंटी में जनजातीय गौरव दिवस, 2023 के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' और प्रधानमंत्री विशेष कमजोर जनजातीय समूह विकास मिशन का शुभारंभ किया। उन्होंने पीएम-किसान की 15वीं किस्त भी जारी की। श्री मोदी ने झारखंड में रेल, सड़क, शिक्षा, कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे कई क्षेत्रों में लगभग 7200 करोड़ रुपये की विकास

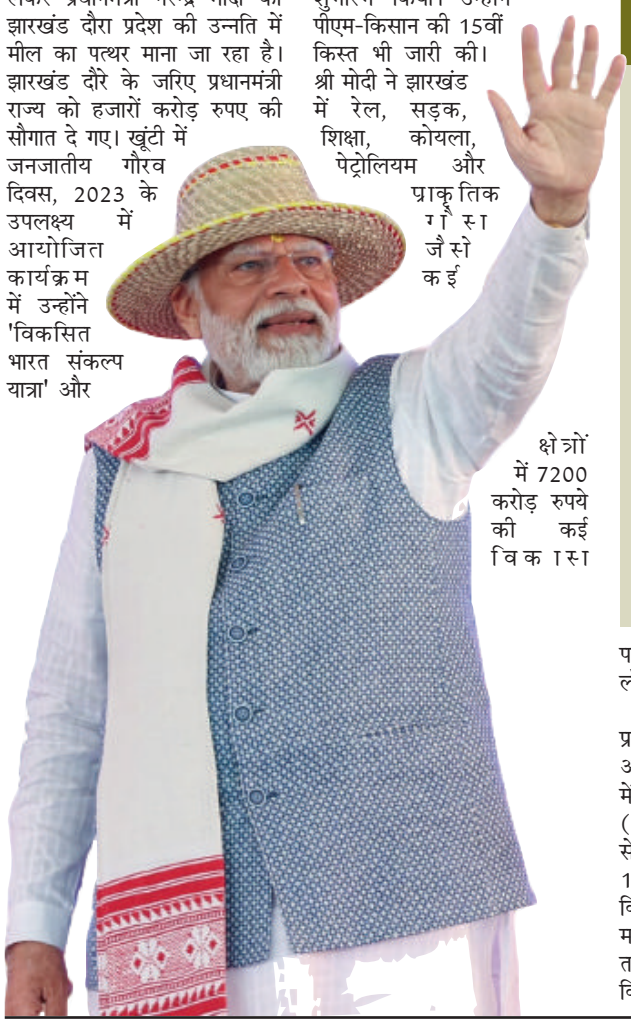

परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया।

किसानों के कल्याण को लेकर प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता का एक और उदाहरण पेश करने वाले कदम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) के तहत 8 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को लगभग 18,000 करोड़ रुपये की 15वीं किस्त प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से जारी की गई। योजना के तहत अब तक 14 किस्तों में किसानों के खातों में 2.62 लाख करोड़ रुपये ट्रांसफर किए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री ने रेल, सड़क, शिक्षा, कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे कई क्षेत्रों में लगभग 7200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ, लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। उन्होंने झारखंड के स्थापना दिवस के अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दीं और इसके गठन में पूर्व प्रधानमंत्री श्री **(शेष पेज- 7 पर)**

बोकारो को दो उपहार- टीटी रेललाइन और राधागांव पीओएल डिपो

टीटी रेललाइन पर सरपट दौड़ेंगी ट्रेनें, गुलजार होंगे कई स्टेशन

बोकारो : अपने झारखंड दौरे के क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बोकारो जिले में दोहरीकरण कर तैयार की गई तुपकाडीह-तालगड़िया रेल लाइन का ऑनलाइन उद्घाटन कर इसे राष्ट्र को समर्पित किया। लोकार्पण के बाद अब ऐसी संभावना जताई जा रही है कि इस रेलवे लाइन से होकर पैसेंजर ट्रेनें सरपट दौड़ेंगी। इससे इस्पातनगर रेलवे स्टेशन, चास रेलवे स्टेशन सहित कई स्टेशन गुलजार होंगे और संबंधित रेलवे स्टेशनों के आसपास रहने वाले लोगों को ट्रेन में सफर करने में सहूलियत होगी। वहीं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार भी बढ़ेगा। यह इस क्षेत्र में तेजी से औद्योगिक विकास में भी सहायक होगा। वेदांता इलेक्ट्रो स्टील के कच्चे माल का यह एकमात्र रेलवे रूट है। इससे बोकारो स्टील प्लांट के कच्चे माल की ढुलाई में भी सुविधा होगी। वहीं, ट्रेन सेवाओं में सुधार और क्षमता में वृद्धि होगी। मालगाड़ियों व यात्री ट्रेनों के परिचालन में तेजी आएगी। मालगाड़ी और यात्री ट्रेनों के परिचालन से लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी। यह परियोजना चास-चंदनकियारी क्षेत्र के विकास के लिए मील का पत्थर मानी जा रही है। क्षेत्र का तेजी से आर्थिक विकास होगा। इस रूट पर लगभग 1000 करोड़ की लागत से 35 किलोमीटर तक दोहरीकरण करते हुए नई पटरियां बिछाई गई हैं। दक्षिण-पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल की ओर से रेलवे बोर्ड को टीटी लाइन दोहरीकरण के लिए प्रस्ताव भेजा गया था। इस रूट में पड़ने वाले तालगड़िया, चास, तुपकाडीह, बांधडीह, भोजूडीह, इस्पात नगर सहित कई

स्टेशनों का विकास होने की उम्मीद बलवती हो गई है।
इधर, लगभग 250 करोड़ से अधिक की लागत से बने राधागांव में स्थापित भारत पेट्रोलियम के तेल डिपो को भी पीएम मोदी ने राष्ट्र को समर्पित किया। 65 एकड़ जमीन पर बने इस संयंत्र की भंडारण क्षमता 25 हजार केएल है। संपूर्ण झारखंड व पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्र में इससे तेल की आपूर्ति होगी। इससे प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से एक हजार से अधिक लोगों को इसमें रोजगार मिलेगा।

झारखंड आदिवासी नायकों की भूमि

प्रधानमंत्री ने आदिवासी गौरव के लिए भगवान बिरसा मुंडा के प्रेरक संघर्ष का जिक्र करते हुए असंख्य आदिवासी नायकों के साथ झारखंड की भूमि के जुड़ाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि तिलका मांझी, सिधू कान्हू, चांद भैरव, फूलो झानो, नीलांबर, पीतांबर, जतरा टाना भगत और अलबर्ट एक्का जैसे अनेक वीरों ने इस धरती को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान योजना की शुरूआत झारखंड से हुई थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड से दो ऐतिहासिक पहल की शुरूआत हो रही है। पहली विकसित भारत संकल्प यात्रा जो सरकार और पीएम जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान की पूर्णता के लक्ष्यों का एक माध्यम होगी, जो विलुप्त होने वाली जनजातियों की रक्षा करेगी और उनका पोषण करेगी।

उपलब्धि बोकारो स्टील प्लांट ने 'ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार -2023' जीतकर फिर लहराया अपना परचम

पर्यावरण-मैत्री इस्पात-उत्पादन फिर लाया रंग, बीएसएल ने जीता 23वां ग्रीनटेक अवार्ड

23rd Annual Greentech ENVIRONMENT Summit & Awards 2023

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : पर्यावरण का ख्याल रखते हुए औद्योगिक विकास की सोच और उस पर अमल करते हुए पहल करना बोकारो स्टील के लिए एक बार फिर उपलब्धि की नई इबारत रचने का कारण बना है। पर्यावरण-मैत्री इस्पात उत्पादन की पहल रंग लाई और बोकारो स्टील प्लांट ने पर्यावरण उत्कृष्टता श्रेणी में प्रतिष्ठित 23वां ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार -2023 जीतकर अपने नाम एक और उपलब्धि जोड़ ली। ग्रीनटेक फाउंडेशन पर्यावरण उत्कृष्टता एवं सस्टेनेबल लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में जिम्मेदार, नव प्रथाओं और पहलों को मान्यता प्रदान करता है।

ईसीएस (पर्यावरण संरक्षण और सस्टेनेबिलिटी) विभाग ने बीएसएल की ओर से पर्यावरण उत्कृष्टता श्रेणी में आवेदन दायर किया था। बीते 07 नवंबर को जूरी सदस्यों के सामने नितेश रंजन, सहायक महाप्रबंधक (पर्यावरण) द्वारा प्रस्तुति दी गई और जूरी के सदस्यों द्वारा उठाए गए सभी प्रश्नों का सटीक समाधान महा प्रबंधक (पर्यावरण), एनपी श्रीवास्तव के द्वारा किया गया। जूरी पर्यावरण संरक्षण के लिए बोकारो स्टील प्लांट की गतिशील पहल और स्टील निर्माण के टिकाऊ तरीकों को अपनाने के प्रयासों से काफी प्रभावित हुई। जूरी सदस्य में पूर्व निदेशक ओएनजीसी और अन्य प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल रहे। दायर आवेदन और दी गई प्रस्तुति के आधार पर जूरी सदस्यों ने सेल, बोकारो स्टील प्लांट को "पर्यावरण उत्कृष्टता" श्रेणी में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए विजेता घोषित किया। यह पुरस्कार सोनमर्ग, जम्मू और कश्मीर में निर्धारित **(शेष पेज- 7 पर)**

बेकार हो चुकीं चीजों से भी काम निकालने में बीएसएल नंबर- 1

2022-23 के दौरान ठोस अपशिष्ट उपयोग भी बढ़कर 103.21% हो गया जो पूरे सेल में सबसे अधिक है। रेल गिट्टी के रूप में एलडी स्लैग का उपयोग, फ्लाई-ऐश एलडी स्लैग ईंटें, सीमेंट बनाने में स्लैग का उपयोग, स्लैग से पेवर ब्लॉक और अपशिष्ट उत्पादों से पर्यावरण-अनुकूल मिट्टी कंडीशनर सहित कचरे से वेल्थ पैदा करने के लिए अभिनव पहल की गई है। हाल ही में बोकारो स्टील ने कोयले की खपत को कम करने और कोक-ओवन की उत्पादकता बढ़ाने के लिए अपशिष्ट उत्पाद डिकैन्टर टार स्लज का उपयोग शुरू किया है। उल्लेखनीय है कि निदेशक-प्रभारी अतानु भौमिक और अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीरेंद्र कुमार तिवारी के नेतृत्व में बीएसएल ने अपशिष्ट को वेल्थ में बदलने का अभियान चलाया है, जिससे बीएसएल को 192.93 करोड़ रुपये के राजस्व सृजन में मदद मिली है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान भारत द्वारा प्रतिबद्ध नवीकरणीय ऊर्जा के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, बोकारो ने फ्लोटिंग सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए कूलिंग पौंड क्षेत्र की भी पहचान की है और नेट न्यूट्रैलिटी प्राप्त करने के लिए संचालन उत्कृष्टता और ऊर्जा दक्षता पर पहल कर रहा है।

– संपादकीय –

यही है भारतीयता

भारतीयता क्या है, यह इस देश के उन लोगों को जानने की जरूरत है, जो रहते भारत में हैं और जिंदाबाद के नारे किसी दुश्मन देश के पक्ष में लगाते हैं, धर्म के नाम पर देश की सांस्कृतिक विरासत पर धब्बा लगाने को आतुर रहते हैं। खासकर, वोट की राजनीति करने वाले सौदागर तो किसी भी हद तक नीचे गिर सकते हैं। समाज को धर्म और जाति के नाम पर विभाजित कर सिर्फ अपनी रोटी सेंकना जानते हैं। ऐसे कई उदाहरण हाल के दिनों में हमारे सामने आये हैं, जिनमें सनातन को न सिर्फ गालियां दी गई हैं, बल्कि सनातन हिन्दू समाज को जातियों में विभक्त कर हमारी संस्कृति पर हमले के प्रयास तेज किये गये हैं। ऐसे लोगों को आज हिन्दी सिनेमा के मशहूर गीतकार और स्क्रीन राइटर जावेद अख्तर से सीख लेने की जरूरत है। महाराष्ट्र में एक कार्यक्रम के दौरान स्क्रीन राइटर और गीतकार जावेद अख्तर ने 'जय सिया राम' के नारे लगाए। उन्होंने वहां मौजूद लोगों से भी नारे लगवाए। दीवाली के मौके पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की ओर से शिवाजी पार्क में दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। यहां गीतकार जावेद अख्तर भी पहुंचे थे। उन्होंने भगवान राम और सीता को भारत की सांस्कृतिक विरासत बताया। इस कार्यक्रम में राज ठाकरे भी मौजूद थे। गीतकार जावेद अख्तर ने कहा कि 'वैसे तो मैं नास्तिक हूं, लेकिन मैं मर्यादा पुरुषोत्तम राम का बहुत सम्मान करता हूं। मुझे इस बात का गर्व है कि मैं माता सीता की भूमि पर पैदा हुआ हूं। भगवान श्री राम हमारी संस्कृति और सभ्यता का हिस्सा हैं।' दरअसल, हिन्दी सिनेमा के मशहूर गीतकार जावेद अख्तर देश के हर मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखते हैं। वहीं, एक बार फिर से वे अपने बयानों को लेकर चर्चा में आ गए हैं। खुद को नास्तिक कहने वाले जावेद अख्तर ने जब जय श्री राम का नारा लगाया तो देशवासियों को गर्व का एहसास हुआ। उन्होंने कहा कि जब भी हम मर्यादा पुरुषोत्तम का जिक्र करते हैं तो भगवान श्री राम और माता सीता का ही नाम हमारी जुबान पर आता है। जावेद अख्तर आगे कहते हैं कि 'सीता और राम प्रेम के प्रतीक हैं, उनका नाम अलग से लेना पाप है। हम उनका नाम अलग से नहीं ले सकते। जो ऐसा करना चाहता था, वह सिर्फ और सिर्फ रावण था। अगर आप भी सिर्फ एक नाम लेते हैं तो आपके मन में भी कहीं ना कहीं रावण छुपा हुआ है।' उन्होंने यह भी कहा कि 'मुझे आज भी वह समय अच्छे से याद है, जब हम सुबह के समय लखनऊ में टहलने निकलते थे, तो एक-दूसरे को जय सियाराम कहते थे।' जावेद अख्तर ने कहा कि आज के समय में असहिष्णुता बढ़ गई है। हालांकि, पहले भी ऐसे कुछ लोग थे, जिनके अंदर सहनशीलता नहीं थी। लेकिन, इनमें से कोई हिन्दू ऐसा नहीं था। हिन्दुओं का दिल हमेशा से बड़ा रहा है। मैं अभी भी यही चाहता हूं कि उन्हें अपने अंदर से ये चीज खत्म नहीं होने देना चाहिए। इस बयान के बाद मशहूर गीतकार जावेद अख्तर अचानक से सुर्खियों में आ गए हैं। दरअसल, मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने जो कुछ कहा है, यही भारतीयता है। इससे देश को धर्म और जाति के नाम पर समाज को बांटकर अपना उल्लू सीधा करने वाले नेताओं को सीख लेने की जरूरत है।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com. Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

– जनजातीय गौरव दिवस –
आदिवासी परंपरा का गौरवगान

– अर्जुन मुंडा –
केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री
भारत सरकार।

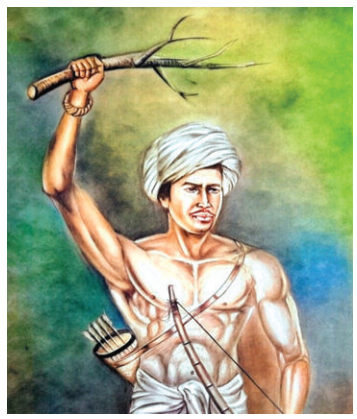

विविध संस्कृतियों और परंपराओं की भूमि भारत ने हमेशा देश की आजादी के लिए लड़ने वाले अपने बहादुर योद्धाओं के योगदान और बलिदान का जश्न मनाया है। हालांकि, इस उत्सव के बीच, आदिवासी समुदाय की वीरता और संघर्ष पर अक्सर ध्यान नहीं दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आदिवासी समाज और संस्कृति के प्रति सम्मान और अटूट प्रेम ही है, जिसने भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयन्ती के दिवस को 'जनजातीय गौरव दिवस' के नाम से मनाने की घोषणा कर आदिवासी समाज का पूरे देश में मान बढ़ाया है। यह तीसरा वर्ष है जब पूरा देश आदर, सम्मान और उत्साह के साथ भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मना रहा है। इस दिवस से लोगों ने जनजातीय समुदायों के सह-अस्तित्वको स्वीकारा है और दशकों के इंतजार के बादसामाजिक समानता के सपने को हकीकत में बदल दिया है।

भगवान बिरसा मुंडा ने हमेशा वन भूमि के साथ-साथ सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा की और उसी संकल्प को पूरा करते हुए अपने साथियों के साथ अंग्रेजों से लड़ते हुए शहादत दी। ऐसे ही देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे आदिवासी लोगों ने अंग्रेजों को कड़ी टक्कर दी क्योंकि जनजातीय लोगों ने कभी भी अंग्रेजों की गुलामी को स्वीकार नहीं किया, शायद अभी तक बहुत कम ही लोग ये जानते थे कि अग्रेजों को सबसे प्रारम्भिक और सशक्त चुनौतीदेश के जंगलों से आदिवासी समाज से ही मिलना प्रारम्भ हुई थी।

चाहे तिलका मांझी के नेतृत्व में पहाड़िया आंदोलन हो, बुधू भगत के नेतृत्व में चला 'लरका आंदोलन' हो, सिद्धू मुर्मू और कान्हू मुर्मू के नेतृत्व में संथाल हूल आंदोलन हो, रानी गाइदिन्ल्यू के नेतृत्व में नागा आंदोलन हो, अल्लूरी सीता राम राजू का रम्पा आंदोलन हो, कोया जनजाति का विद्रोह हो, गोविंद गुरु का 'भगत' आंदोलन हो, अंग्रेजों के विरुद्ध जनजाति समाज का एक व्यापक, विस्तृत व विशाल योगदान रहा है।

'धरती आबा' बिरसा मुंडा की अपनी माटी के प्रति संघर्ष की ही पृष्ठभूमि थी कि अंग्रेजों को छोटा नागपुर काश्तकारी-सीएनटी अधिनियम बनाने के लिए बाध्य होना पड़ा, जिसके अधीन परंपरागत वन अधिकार भुईंहरी खूंट के नाम से निहित है। भुईंहरी खूँट, जो जल, जंगल, जमीन पर पूर्ण स्वामित्व का अधिकार देता है।

भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष के बल पर देश भर के जनजातीय क्षेत्रों में हुए ऐतिहासिक भूल को स्वीकारते हुए हमारी संसद ने वन अधिकार कानून पारित किया। भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष का एक महत्वपूर्ण पहलू यह था कि उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किया कि उनके अपने समाज की स्वशासन व्यवस्था पर किसी भी प्रकार का बाह्य हस्तक्षेप न हो। इस कारण पेसा जैसे कानून इस देश में बने, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी परंपरागत व्यवस्था पर कोई हस्तक्षेप न हो, परंपरागत ढंग से नियंत्रणाधीन व्यवस्थाओं के अनुरूप ही पेसा का कानून चले और साथ ही साथ संवैधानिक प्रावधानों का समावेशीकरण हो सके। इसकी मुख्य अवधारणा अनुसूचित क्षेत्र में पंचायत की व्यवस्था हो, ताकि उसकी सांस्कृतिक परंपरा और नैसर्गिक व्यवस्था बनी रहे और प्राकृतिक समन्वयता पर किसी तरह का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। भगवान बिरसा मुंडा के अनुरूप जनजातीय समाज पुनर्स्थापित हो, इस चुनौती भरे कार्य को दायित्व के रूप में हमें लेना पड़ेगा, साथ ही अपनी जनजातीय जीवंत संस्कृति पर गर्व करते हुए बनाए रखना पड़ेगा।

भारत सरकार का वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) सामाजिक व्यवस्था के साथ जोड़कर पुनर्स्थापित करने पर जोर देता है। वनाधिकार कानून एकाधिकार को ही सुनिश्चित नहीं करता है, बल्कि मानव समुदाय को प्राकृतिक दृष्टि से समानुपातिक सहभागिता के रूप में देखता है। कई चुनौतियों के बीच हमें इन सारे विषयों पर संवेदनशील होकर देखने की जरूरत है। प्रकृति का अन्योन्याश्रय संबंध न बिगड़े, इस पर समस्त भारतवासियों को पुनरावलोकन करना पड़ेगा। यह भगवान बिरसा मुंडा का विशेष सूत्र रहा है।

जनजातीय गौरव दिवस का उत्सव भारत में आदिवासी समुदायों के योगदान और संघर्षों को पहचानने और सम्मान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह इन हाशिए पर मौजूद समूहों के कल्याण और सशक्तिकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। विभिन्न नीतियों, कार्यक्रमों और कानून के माध्यम से, सरकार का लक्ष्य आदिवासी समुदायों का उत्थान करना और ऐतिहासिक अन्याय को दूर करना है। भारत के संविधान ने, अनुसूचित जनजातियों की सुरक्षा के प्रावधानों के साथ, उनके अधिकारों की रक्षा करने और समावेशिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वन अधिकार अधिनियम, पेसा और अन्य कानूनों ने आदिवासी समुदायों के अधिकारों को और मजबूत किया है और उन्हें अपने जीवन के तरीके की रक्षा करने के लिए सशक्त बनाया है। ट्राइफेड और एनएसटीएफडीसी जैसे संस्थानों ने आदिवासी समुदायों को आर्थिक रूप से आगे बढ़ने और उनकी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए सहायता और अवसर प्रदान किए हैं।

जनजातीय लोगों ने अपनी सभ्यता और संस्कृति की धरोहरों को युगों से संजोया हुआ है, जनजातीय गौरव दिवस एक अवसर है आदिवासियों की जीवन परंपरा, रीति-रिवाज व सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था को समझने का जो कि अत्यधिक समृद्ध है। आज देश यह बात जान गया है कि राष्ट्र निर्माण में आदिवासी समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और आगे भी उनकी इस भव्य विरासत से प्रेरणा लेकर हमें इस अमृतकाल में नव भारत निर्माण का संकल्प पूरा करना होगा।

आहो बिहार!

आहो बिहार!
कोना सुधरब'
जरल तोहर कपाड़।।

जतय जाति मे बाँटि समाज कैँ,
चाहै छ' अधिकार।
कोना सुधरब'
जरल तोहर कपाड़।।

कोइरी कुर्मी गद्दी बैसल
नोनियाँ बनियाँ सांइग।
जादब दुसाध मंडल कैँ तकल'
मुसहर मलाह अछि मांइग।
बाभन बाजय जीब' जीब'
भरिगर कत भुमिहार।
आहो बिहार!
कोना सुधरब'
जरल तोहर कपाड़।।

बात बात मे ओबी सी आ
दलित दलित केर माला।
मायनोरीटी कैँ जा नित पूज'
कतबो भोकौउ भाला।
लाला धोबी खतबे ताक'
ताक' जाए कमार।
आहो बिहार!
कोना सुधरब'
जरल तोहर कपाड़।।

कतय तमोली तेली धानुक
मल्लिक राम सदाय।
प्रतिभा केर दम घूँटि रहल
करइछ योग्य बिदाय।
कोना भविष्यक सत्ता बाँचत
होइछ तकर जोगाड़।
आहो बिहार!
कोना सुधरब'
जरल तोहर कपाड़।।

जाति जाति मे बिला रहल
समता आ सद्भाव।
सत्ता खातिर लगा रहल सब
अप्पन अप्पन दाव।
बढा रहल जन जन मे दूरी
बनबै पैघ मोकार।
आहो बिहार
बढत'नित तकरार।
अहो बिहार!
कोना सुधरब'।
तै पर कर' विचार।।

कोना बढत उद्योग एतय
हो तकर ने कत्तहु बात।
शिक्षा स्वास्थ्य कोना कैँ सुधरत
तकरा राखय कात।
कोना पेट जनता केर भरतै
बढतै कोना रोजगार।
आहो बिहार!
तै पर कर' विचार।
आहो बिहार!
कोना सुधरब'।
जरल तोहर कपाड़।।

मैथिली कविता
– शम्भुनाथ –

याद किए गए धरती आबा

विभिन्न संगठनों ने धूमधाम से मनाई भगवान बिरसा की जयंती, कई कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता
बोकारो : अंग्रेजों के छक्के छुड़ा देनेवाले धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर बोकारो, चास सहित आसपास के इलाके में मनाई गई। विभिन्न सरकारी, गैरसरकारी संगठनों की ओर से जयंती समारोहों का आयोजन कर भगवान बिरसा को नमन किया गया। झारखण्ड की अस्मिता के संघर्ष के प्रतीक भगवान बिरसा मुंडा की जयन्ती पर 15 नवम्बर को बोकारो स्टील के अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीरेंद्र कुमार तिवारी, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) चितरंजन महापात्रा, अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) राजन प्रसाद, डॉ बी बी करुणामय , मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी एवं प्रभारी बोकारो जनरल हॉस्पिटल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने नया मोड़ पर स्थापित भगवान बिरसा की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और सभी को बिरसा जयंती की शुभकामना दी।

आदर्शों को आत्मसात करने की जरूरत : अमरदीप

जन कल्याण सामाजिक संस्था द्वारा बोकारो इस्पात नगर के सेक्टर-12 ए में संचालित बिरसा मुंडा निःशुल्क विद्यालय में राज्य स्थापना दिवस एवं भगवान बिरसा मुंडा जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी कुमार अमरदीप, संस्थापक परशुराम राम ने बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मौके पर मुख्य अतिथि श्री कुमार ने कहा कि बिरसा मुंडा ने देश की आजादी की लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाई। उन्होंने लोगों में देश प्रेम का भाव जागृत किया। इसलिए भगवान बिरसा के आदर्श को आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने विद्यालय के कार्यों की सराहना की एवं बच्चों, अभिभावकों के बीच टॉफी, बिस्कुट आदि का वितरण किया। वहीं, संस्थापक परशुराम राम ने बिरसा मुंडा के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। कार्यक्रम में वेद प्रेम सिंह, चंदेश्वर ठाकुर, ममता सिंह, बबीता कुमारी, पन्ना देवी, माधुरी देवी, विजय कुमार, गुड़िया देवी, हरिशंकर प्रसाद सोनी, भूषण कुमार, जितेंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं भगवान बिरसा : डॉ. जरुहार

गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज टेक्निकल कैंपस, इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेज बोकारो में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती तथा झारखंड के 23वां स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के निदेशक डॉ. प्रियदर्शी जरुहार ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। उन्होंने बताया कि धरती के आबा नाम से जाने जाने वाले पूज्य भगवान बिरसा जल-जंगल-जमीन की रक्षा, नारी-सुरक्षा तथा अपने समाज की संस्कृति और मयार्दा को बनाये रखने के लिए संकल्पित रहे। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष किया। वे झारखंड ही नहीं, अपितु पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम का संचालन विभाग प्रमुख डॉ. ए.पी. बर्णवाल तथा आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक प्रो. श्वेता कुमारी ने किया। इस कार्यक्रम में गीत हे बिरसा का प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वर्मा, श्रीमती अनुवर्तित एक्का, प्रो. सिद्धलाल हेम्ब्रम, प्रो. आशीष कुमार, अनिल सिंह आदि ने योगदान दिया।

भगवान बिरसा के मार्ग पर चलकर उन्नति संभव : ठाकुर

चंद्रपुरा : दामोदर घाटी निगम, चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र प्रबंधन द्वारा तृतीय जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर यहां के फुटबॉल मैदान में हजारों दीप जलाकर खुशियां मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का डीवीसी के अधिकारियों, कर्मचारी और स्थानीय लोगों ने आनंद उठाया। समारोह को संबोधित करते हुए वरिष्ठ महाप्रबंधक सह- परियोजना प्रधान मनोज कुमार ठाकुर ने कहा कि संगठित होकर निर्धारित समय में सकारात्मक कार्य करने से ही सफलता मिलती है। शहीद बिरसा मुंडा को कम उम्र में ही अपने सकारात्मक कार्य के कारण भगवान का दर्जा प्राप्त हुआ। उन्होंने जेल में ही रहकर देश को आजाद कराने में अपनी अहम भूमिका निभाई। सशक्त संगठन और इच्छा शक्ति के कारण उन्हें सफलता मिली। हम सभी को उनके दिखाये मार्ग पर चलकर उन्नति की ओर आगे बढ़ना चाहिए। हम सभी को सशक्त संगठन बनाकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से ही समाज और देश की उन्नति होगी। मौके पर मौजूद सभी वरिष्ठ अधिकारियों कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर वरिष्ठ महाप्रबंधक रामप्रवेश शाह, महाप्रबंधक अभिषेक घोष, उप महाप्रबंधक प्रशासन टी टी दास, के के सिंह, संजीव कुमार, दिलीप कुमार, इकरामुल हक, डॉ एस हेंब्रम, डॉ लक्ष्मण सोरेन, वरीय प्रबंधक दिलीप कुमार, प्रबंधक रविंद्र कुमार, अशोक चौबे, उमेश कुमार शर्मा, अक्षय कुमार, मोहम्मद मोइनुद्दीन, भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रवीण कुमार सिंह, सुनील मिश्रा , भाजपा व विस्थापित नेता लखी हेंब्रम आदि उपस्थित थे। समारोह का संचालन सर्वजीत सिंह ने किया।

परंपरा बहनें अपने भाई की लंबी आयु की कामना के लिए करती हैं विशेष पूजा-अर्चना

सामा चकेवा खेलब गे बहिना भैया जिवथि हजार... मैथिल बहनों के घर खूब मची है धूम

संवाददाता
बोकारो : 'धान... धान... छै, भैया कोठी धान छै। चुगिला कोठी भुस्सा छै, भैया मुख पान छै, चुगिला मुख अंगोर ढारू हो...', 'सामा चकेवा खेलब गे बहिना भैया जिवथि हजार...' इसी तरह के गीतों के साथ भाई-बहन के स्नेह और पति-पत्नी के स्वधर्म निर्वहन से जुड़े मिथिला के पारम्परिक पर्व सामा-चकेवा की धूम आज के समय में भी होती है। बोकारो, चास सहित आसपास के मैथिल बहनों के घर भी इसकी शुरूआत हो चुकी है। लोगों ने अपनी परंपरा को बना रखा है। सामा-चकेवा पर्व मिथिला में आदिकाल से मनाया जाता रहा है। छठ महापर्व के खरना से शुरू हुए इस पर्व में शाम होते ही गांव-घरों के आंगन मे भगवान और भाई-बहनों का गीतनाद प्रारंभ हो जाता है। पद्मपुराण में सूत-सोन संवाद के रूप में सामा-चकेवा कथा का उल्लेख है।

भाई ने सामा को कराया था श्रापमुक्त : कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी पुत्री सामा को उनके बारे में चूड़क (चुगला) द्वारा मिली झूठी शिकायत पाने पर पक्षी बन वृन्दावन में विचरण करने का श्राप दे दिया था। इसकी जानकारी कर मिलने पर सामा के पति चारूवत्र भी भगवान शंकर से पक्षी बनने का वरदान पाकर वृन्दावन में उनके साथ विचरण करने लगे। यह जानकारी जब सामा के भाई साम्ब को मिली तो उन्होंने भगवान विष्णु की आराधना कर अपने बहन-बहनोई को शापमुक्त करा मनुष्य रूप देने का वरदान प्राप्त किया। भगवान ने कहा कि कार्तिक मास में उनकी बहन आएगी और पूर्णिमा को विदा हो जायेंगी। उसके बाद से यह पावन मनाया जाता रहा है।

झूठी शिकायत करने पर झुलसाया जाता है चुगले का मुंह
इसमें झूठी शिकायत करने के कारण चूड़क (चुगला) का अग्नि-दहन किया जाता है। मिट्टी के सामा-चकेवा, साम्ब, सप्तर्षि, आदि बनाए जाते हैं। गांव की सभी स्त्रियां एक सप्ताह तक विभिन्न गीत-नाद के साथ भाई-बहन पति-पत्नी की आयु और अपनी सुहाग के लिये भगवान से प्रार्थना करती हैं। सामा-चकेवा, सतइया, बृंदावन, चुगला, ढालिया बजनिया, बन तितिर, पंडित और अन्य मूर्तियों के साथ खिलौने का डाला लेकर बहनें जोते हुए खेत मे खेलती हैं। खेत में सन (पटुआ) से बने चुगला को जलाया जाता है। उसका मुंह झुलसाया जाता है। भाई-बहन का यह पावन पर्व छठ के खरना दिन शुरू होकर पूर्णिमा के दिन विसर्जन संग संपन्न होता है।

आग लगाकर निपटा रहे इस्पातनगरी का कचरा

संवाददाता
बोकारो : शहर में एक तरफ स्वच्छता के पर्व दिवाली-छठ की धूम, दूसरी ओर चारों तरफ कूड़ेदान से उठते दुर्गंधयुक्त धुएं। बोकारो में इन दिनों यही स्थिति बनी है। न तो घर-घर कचरे का उठाव हो पा रहा है और न ही कूड़ेदान को ही उठाकर उसे खाली करने का काम। लगभग एक पखवाड़े से इस्पातनगरी में यही खस्ताहाली है। अधिकतर सेक्टरों में यही स्थिति है। कूड़ेदान तो कचरे से भरा ही है, उसके आसपास चारों तरफ कूड़े का ढेर बिखरा पड़ा है। ऐसे में कूड़े को निपटाने के लिए कूड़ेदान और आसपास पड़े कचरे में आग लगा दी जा रही है, जिसके धुएं से शहरवासी परेशान हैं। इस चक्कर में बीते दिनों कूड़े में लगी आग के चलते बीएसएल का बिजली का एचटी केबल जलकर नष्ट हो गया। राम मंदिर मार्केट और एचएससीएल कॉलोनी में विद्युतापूर्ति बाधित हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शहर में

कचरा प्रबंधन को संभालने के लिए 228 सफाई मित्र लगाए गए हैं। सेक्टर 11 और सेक्टर 6 के बीच सात एकड़ खुले डंपिंग ग्राउंड में हर दिन 36 हजार घरों और बाजारो से कचरा एकत्रित करके डंप किया जाता है। विभिन्न सेक्टरों में घरों से प्रतिदिन लगभग 85-90 टन कचरा एकत्र किया जाता है।

इस संबंध में प्रबंधन के सूत्रों का कहना है कि टाउनशिप में डोर टू डोर गार्बेज कलेक्शन का काम अभी एक नई एजेंसी ने शुरू किया है। दावा है कि काम चल रहा है, नहीं हुआ है। जल्द ही सभी काम सामान्य हो जाएंगे।

आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम सफल बनाएं : उपायुक्त

संवाददाता
बोकारो : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम सरकार का महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है, सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ अहर्ता पूर्ण करने वाले लोगों तक पहुंचाना इसका उद्देश्य है। इसलिए इसके आयोजन एवं प्राप्त आवेदनों/मामलों के निष्पादन में किसी भी तरह की कोई लापरवाही किसी भी स्तर से नहीं हो, इसे सुनिश्चित करना है। जिला एवं राज्य स्तर से सीधे कार्यक्रम की निगरानी होगी। उन्होंने कार्यक्रम को लेकर प्रखंड-पंचायत स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा। मौके पर उप विकास आयुक्त श्रीमती कीर्तीश्री जी., जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं सभी प्रखंडों के बीडीओ आदि उपस्थित थे।

उधर, समाहरणालय स्थित सभागार में उपविकास आयुक्त (डीडीसी) कीर्तिश्री जी. की अध्यक्षता में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी अबुआ आवास योजना (एएवाई) पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। मौके पर योजना के संबंध में सभी बीडीओ एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों/कर्मियों को विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने इसके अलावा अन्य योजनाओं को लेकर समीक्षा करते हुए जरूरी दिशा-निर्देश दिया।

बैठक में जिला पंचायती राज पदाधिकारी श्रीमती मनीषा वत्स, चास बीडीओ मिथिलेश कुमार, चंदनकियारी बीडीओ अजय वर्मा, पेटरवार बीडीओ संतोष महतो, गोमिया बीडीओ महादेव कुमार, नावाडीह बीडीओ प्रशांत कुमार, मनरेगा नोडल पंकज दूबे, परियोजना पदाधिकारी मानिक प्रजापति, पीएमएवाई के प्रखंड समन्वयक आदि उपस्थित थे।

डीवीसी बीटीपीएस ने किया जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन

बोकारो थर्मल : डीवीसी मुख्यालय द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस को लेकर विभिन्न जगहों पर कार्यक्रम आयोजित करने संबंधी निर्देश के तहत नावाडीह प्रखंड अंतर्गत परसाबेड़ा उमवि में डीवीसी सीएसआर बोकारो थर्मल की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन नावाडीह की प्रमुख पूनम देवी, उप प्रमुख हरिलाल महतो, मुखिया अमृता कुमारी, डीवीसी के डीजीएम बीजी होलकर ने किया। मुख्य अतिथि प्रखंड प्रमुख एवं डीजीएम ने भगवान बिरसा के आजादी एवं अंग्रेजों से स्वतंत्रता की लड़ाई में योगदान से सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन डीवीसी के कार्यपालक सुनील कुमार तथा धन्यवाद ज्ञापर लखन हांसदा ने किया। मौके पर पूर्व मुखिया गणेश सोरेन, मुखिया प्रतिनिधि राम कुमार मरांडी, पंसस पुष्पा हांसदा, वार्ड सदस्य सोनाराम मरांडी, करमचंद सोरेन, समीर मुर्मू, राजेश मरांडी, विकास मरांडी, नावाडीह ऊपरघाट के विधायक प्रतिनिधि टेकलाल चौधरी सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

नवाचार सर्वज्ञ और ऋषित ने वेबसाइट बनाकर गौ-रक्षा का निकाला उपाय

सेंसर बताएगी गाय की बीमारी, डीपीएस बोकारो के विद्यार्थियों ने किया अनूठा इजाद

संवाददाता
बोकारो : डीपीएस बोकारो के विद्यार्थियों ने एक बार अपनी कुशल वैज्ञानिक क्षमता व नवोन्मेषता का उदाहरण प्रस्तुत किया है। विद्यालय की 10वीं कक्षा के विद्यार्थी सर्वज्ञ और कक्षा नौवीं के ऋषित शांडिल्य ने गौ-रक्षा की दिशा में एक अनूठा इजाद किया है। सेंसर की मदद से गाय की बीमारी का पता कर एक स्पेशल वेबसाइट के जरिए उसका इलाज तक बताने वाली तकनीक तैयार करने के लिए दोनों विद्यार्थियों का चयन राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस (एनसीएससी) की राज्य स्तरीय स्पर्धा में किया गया है।

विद्यार्थियों को बीमार गाय देखने के बाद यह आइडिया सूझा और पशुपालकों की समस्या को ध्यान में रखते हुए जानवरों के स्वास्थ्य जांच से जुड़ा एक प्रोटोटाइप मॉडल उन्होंने बना डाला। वेबसाइट के जरिए जानवरों से संबंधित जांच की सलाह ले सकते हैं और पशुपालक चिकित्सकों से संपर्क कर जानवरों के स्वास्थ्य जुड़े सुझाव और उपचार के लिए दवा ली जा सकती है।

ऐसे काम करती है प्रणाली

मॉडल की कार्यप्रणाली को लेकर छात्र सर्वज्ञ ने बताया कि उनका यह मॉडल खास तकनीक पर आधारित है, जिसमें सेंसर के जरिए पशुओं की हृदयगति और उनके शरीर के तापमान को मापकर वेबसाइट पर जानवरों के संभावित रोगों की जानकारी मिलती है। इसके बाद इस स्थानीय पशु चिकित्सकों से संपर्क कर राय मशविरा ली जा सकती है। साथ ही, समय पर मवेशियों का उपचार कर उनकी जान बचाई जा सकती है। इस मॉडल को बनाने में उन्हें लगभग 900 रुपये तक का खर्च आया है, जिसमें इलेक्ट्रिकल बोर्ड और सेंसर जुड़े हैं। हाल ही में जीजीपीएस, सेक्टर-5 में आयोजित जिलास्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस में उनके मॉडल को सराहा गया और राज्य स्तर के लिए चयनित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. एएस गंगवार ने उक्त दोनों विद्यार्थियों की इस नवोन्मेषता को सराहते हुए राज्यस्तरीय प्रतिस्पर्धा के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि डीपीएस बोकारो अपने विद्यार्थियों की वैज्ञानिक प्रतिभा को तलाशकर निखारने की दिशा में सतत प्रयासरत है।

हफ्ते की हलचल

जिला प्रशासन ने राज्य-स्थापना दिवस मनाया

बोकारो : सेक्टर 5 स्थित बोकारो क्लब में राज्य स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री बेबी देवी, दर्जा प्राप्त मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो, बेरमो विधायक कुमार जयमंगल आदि शामिल हुए। मौके पर उपायुक्त कुलदीप चौधरी, पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक, डीडीसी, अपर नगर आयुक्त चास सौरव कुमार भुवानिया, एसडीओ चास दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष देवाशीष मंडल, आदि जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। 1252 लाभुकों के बीच 44.91 करोड़ की योजनाओं की परिसंपत्ति का वितरण किया। सांकेतिक रूप से 52 लाभुकों को मंच पर परिसंपत्ति वितरित किया गया। उपायुक्त ने राज्य सरकार की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं किसान क्रेडिट कार्ड, फूलो झानो आशीर्वाद योजना, सर्वजन पेंशन योजना,आधारभूत संरचना से संबंधित योजना आदि के संबंध में विस्तार से बताया।

मैथिल बहनों के घर रही भरदुतिया की धूम

बोकारो : रक्षाबंधन की तरह ही भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व है भाई दूज। बोकारो में भाई-बहनों ने इस पर्व को उत्साहपूर्वक मनाया। एक तरफ जहां भाई दूज की धूम रही और बहनों ने परम्परानुसार भाइयों की लंबी आयु की कामना के साथ विधिपूर्वक पूजा संपन्न की, वहीं दूसरी तरफ मिथिलांचलवासी भाई-बहनों के घर इस पर्व को भरदुतिया के रूप में मनाया गया। मिथिलांचल में भाई दूज को भातृद्वितीया व आम बोलचाल की भाषा में भरदुतिया कहा जाता है। बहनों ने विधि-विधान के साथ अपने भाई की पूजा की। विशेष प्रकार की अल्पना बनाकर उस पर आसन के रूप में पीढ़ा रखकर भाई को बिठाया। फिर भाई के दोनों हाथ (आंजुर) में सिन्दूर, पिठार (चावल का घोल) लगाया और कुम्हरा का फूल, पान का पत्ता, सुपारी, पैसा, अंकुरी जल आदि से पूजा संपन्न की। इसे न्योत (निमंत्रण) लेना कहते हैं। इस क्रम में बहन पढ़ती हैं- गंगा नोतैय जमुना कें, हम नोतै छी भाई कें, जतेटा यमुनाक धार, ततेटा हमर भैयाक आयु। भाई बहन को उपहार भी देते हैं। बहनें भाई को मिठान्न, स्वादिष्ट पकवान खिलाती हैं। इस पर्व को लेकर मिथिलांचल के भाई-बहनों में खासा उत्साह रहता है।

बाल अधिकार सप्ताह के तहत चलाया अभियान

बोकारो : बाल दिवस के अवसर पर शुरू हुए बाल अधिकार सप्ताह के तहत बाल अधिकार कार्यकर्ता सह मनोवैज्ञानिक डा. प्रभाकर कुमार ने पेटरवार थानांतर्गत राजकीयकृत मध्य विद्यालय, पिछरी में बाल अधिकार जागरुकता कार्यक्रम चलाया। इसमें विद्यालय के विद्यार्थी, विद्यालय प्रबंधन व सभी हितधारक शामिल हुए। मौके पर डा. प्रभाकर ने कहा कि बाल अधिकारों के प्रति जागरुकता जरूरी है। सभी बच्चों को चार बाल अधिकारों, यथा- जीने का अधिकार, विकास का अधिकार, सुरक्षा का अधिकार व सहभागिता के अधिकार की जानकारी रहना इनके सुरक्षित बचपन के लिए महत्त्वपूर्ण कदम है। बच्चे राष्ट्र के भविष्य व समाज की नींव हैं, अतः बच्चों को बाल अधिकारों की जानकारी हेतु बाल मुद्दों पर जागरुकता अति आवश्यक है। उन्होंने पोक्सो एक्ट, चाइल्ड लाइन नंबर आदि की विस्तार से जानकारी दी। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक नूर खेस, शिक्षक पुष्पित कुल्लू, बारनी वोदरा, उपेंद्र कुमार, मिथिलेश कुमार महतो, दिलीप कुमार शर्मा, सुरेंद्र प्रसाद महतो आदि उपस्थित रहे।

सांसद-विधायक ने किया उच्चस्तरीय पुल का शिलान्यास

गोमिया : गोमिया प्रखण्ड स्थित लोधी पंचायत अंतर्गत पीएमजीएसवाई तीन मद से स्वीकृत चैलियाटांड़ से कमाटांड़ वाया बासोबार पथ के चैनेज में उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी तथा गोमिया विधायक डा.लम्बोदर महतो ने पूजा-अर्चना कर संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र में विकास के कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जा रहे हैं। विधायक डा. लंबोदर महतो ने कहा कि गोमिया विधानसभा क्षेत्र में कई पुल पुलिया, सड़क तथा स्वास्थ उपकेन्द्र की स्वीकृति हो चुकी है तथा जल्द ही कार्य शुरू होगा।

भ्रष्टाचार का एक और आलम

विशेष संवाददाता

रांची : नेता हो या अधिकारी, सभी ने झारखंड को महज लूट-खसोट का ही जरिया बनाया। राज्य में भ्रष्टाचार का एक और आलम सामने आया है। साहिबगंज के एसपी नौशाद आलम पर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने शिकंजा कसा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ईडी नौशाद आलम की अचल संपत्ति और निवेश की ईडी जांच कर रही है। ईडी पता कर रही है कि साहिबगंज के एसपी रहने के दौरान नौशाद आलम ने कितनी संपत्ति की रजिस्ट्री अपने या फिर अपने परिजनों के नाम पर कराया है। इसके अलावा ईडी को एसपी के खिलाफ कई शिकायत मिली है। जिसके बाद ईडी उनसे जुड़ी विस्तृत जानकारी जुटाने में लग गई है। सूत्रों के मुताबिक नौशाद आलम के संबंध में कई लोगों ने ईडी के समक्ष लिखित शिकायत की है ईडी अधिकारियों के मुताबिक नौशाद आलम के खिलाफ रांची में कई जगह पर बीते दो या तीन साल में चल संपत्ति अर्जित करने की शिकायत मिली है जहां-जहां पोस्टिंग वहां की जानकारी जुटा रही है, ईडी नौशाद आलम के संबंध में विस्तृत जानकारी भी जुटा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ईडी इस मामले में राजस्व विभाग से जानकारी मांगेगी। ईडी जांच करेगी कि साहिबगंज के एसपी रहने के दौरान नौशाद आलम ने कितनी संपत्ति की रजिस्ट्री अपने या फिर अपने परिजनों के नाम पर कराया है।

एसपी पर आरोप है कि उन्होंने अवैध खनन मामले में ईडी के अहम गवाह रहे विजय हांसदा को गवाही से मुकरने के लिए दबाव बनाया। ईडी को इससे संबंधित कई सबूत मिले हैं, जिसके आधार पर एसपी का बयान लिया जाना है। विजय हांसदा ने ईडी को जानकारी दी थी कि साहिबगंज के नींबू पहाड़ पर पंकज मिश्रा व उनके सहयोगी अवैध खनन कर रहे हैं। विजय हांसदा ने ग्रामीणों के साथ मिलकर अवैध खनन रोकने की कोशिश की तो पंकज मिश्रा के सुरक्षा गार्ड ने उनके साथ मारपीट की।

साहिबगंज में नौशाद आलम की तैनाती के बाद 1000 करोड़ का अवैध खनन हुआ था, जिसके मुख्य गवाह विजय हांसदा ने ईडी को जानकारी दी थी कि साहिबगंज के नींबू पहाड़ पर पंकज मिश्रा व उनके सहयोगी अवैध खनन कर रहे हैं। विजय हांसदा ने इसे लेकर हाई कोर्ट में भी याचिका दाखिल की थी। इसके बाद ही ईडी ने उसे अपना गवाह बनाया था, लेकिन विजय हांसदा बाद में अपना बयान वापस ले लिया और कहा कि याचिका उसने दाखिल नहीं की थी। विजय हांसदा के गवाही से मुकरने के मामले में पूर्व में एक ऑडियो भी वायरल हुआ था, जिसमें विजय हांसदा गवाही से नहीं मुकरने के एवज में दूसरे पक्ष से रुपयों की मांग कर रहा था। ईडी उस ऑडियो की सच्चाई भी जानने की कोशिश कर रही है। बता दें कि नौशाद आलम बोकारो में जैप कमांडेंट के पद पर भी वर्षों काम कर चुके हैं।

बिजली के बहाने ठगी

विभाग ने साइबर फ्रॉड रोकने को जारी किया अलर्ट

विशेष संवाददाता

पटना : बिहार में बिजली उपभोक्ता साइबर फ्रॉड गैंग के निशाने पर हैं। दरअसल, बिजली उपभोक्ताओं के मोबाइल पर साइबर फ्रॉड गैंग मोबाइल नंबर 6290830753, 9732291317 से कॉल कर ठगी करने के फिराक में लगा हुआ है। लेकिन, अब इस पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू हो चुकी है। राज्य के बिजली विभाग ने इस पर रोक लगाने के लिए अलर्ट जारी किया है।

6290830753, 9732291317 नंबर से आए फोन तो हो जाएं सावधान

एनबीपीडीसीएल की तरफ से उक्त दोनों मोबाइल नंबर को जारी किया गया है। साथ, ही इन दोनों नंबरों से लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है। मामले को लेकर कार्यपालक अभियंता विजय कुमार ने बताया कि हाल के दिनों में उपभोक्ताओं के पास उक्त दोनों मोबाइल नंबरों से कॉल किया जा रहा है। इसमें फ्रॉड गैंग स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को केवाईसी कराने, रिचार्ज नहीं कराने की वजह से बिजली काटने आदि की जानकारी दे रहे हैं। जबकि, सच्चाई ये है कि बिजली विभाग द्वारा किसी भी तरह के स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को भुगतान करने हेतु कॉल नहीं किया जा रहा है। न ही मीटर रिचार्ज करने के लिए किसी तरह के एप इंस्टॉल करने को कहा जा रहा हैं। जबकि साइबर ठग बिजली कनेक्शन काट दिए जाने की धमकी देकर लोगों को अपने जाल में फांसते हैं और उनके खाते से रुपए उड़ा डालते हैं। हाल के दिनों में कई ऐसे मामले आए हैं। इसे देखते हुए ही विभाग ने लोगों के लिए सतर्कता जारी की है।

बच्चे अब खाएंगे मोटे अनाज वाले हेल्दी चिप्स, जल्द ही लगेगा प्लांट

विशेष संवाददाता

पटना : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से मोटे अनाज को बढ़ावा दिए जाने का सकारात्मक प्रभाव अब बच्चों की खाद्य सामग्री पर भी देखा जा रहा है। जल्द ही राज्य के बच्चों को मिलेट यानी मोटे अनाज से बने चिप्स और कुरकुरे खाने को मिलेंगे। इसके लिए प्लांट जल्द ही लगेगा। सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी है। सारण में तरैया के मोलनापुर में मोटे अनाज का प्लांट लगाने के प्रस्ताव को उद्योग विभाग ने स्वीकृति दी है। इस पर एक करोड़ 26 लाख रुपये का निवेश होगा। इसके अलावा फुलवारी में पॉपकार्न बनाने के लिए प्लांट लगेगा। इस पर 69.50 लाख निवेश होगा। सारण के बैजलपुर में नूडल्स की फैक्ट्री लगेगी। दो करोड़ रुपये से अधिक निवेश वाली कुल 13 चावल मिलें लगाई जाएंगी। इसमें 12 उसना चावल तैयार करने वाली मिलें हैं।

इसके अलावा, खाद्य प्रसंस्करण के 14 प्रस्तावों में हाजीपुर में बिस्कुट, केक, बेगूसराय में डेयरी प्लांट, बेगूसराय और पटना के बिहटा में वेयरहाउस बनाने का प्रस्ताव है। पाटलिपुत्र में खाद्य वस्तुओं की जांच होगी, जहां फूड टेस्टिंग लैब स्थापित की जा रही है। इस लैब की क्षमता 7000 सैंपल की होगी। इस पर 12 करोड़ 83 लाख रुपये खर्च होंगे। खबर है कि लैब स्थापित करने वाली कंपनी को 13 वर्षों तक वहां काम करना होगा। इसके अलावा, मुजफ्फरपुर में आठ करोड़ रुपए की लागत से सर्जिकल ग्लोव्स बनाने की फैक्ट्री भी लगेगी।

इधर, औद्योगिक विकास में नया आयाम

बिहार की राजधानी पटना के औद्योगिक विकास की कड़ी में एक और नया आयाम जुड़ गया है। पटना में दो नए औद्योगिक क्षेत्र चिह्नित किए गए हैं। इनमें फ्रेजर रोड स्थित वित्तीय भवन के तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम तल शामिल हैं। इसका कुल रकबा 16032 वर्गफीट है। इसी तरह एयरपोर्ट के नजदीक एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स को भी पटना शहर के औद्योगिक क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया गया है। इसका कुल रकबा 1.85 एकड़ है। उद्योग विभाग के विशेष सचिव दिलीप कुमार ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। पटना में इससे पहले पाटलिपुत्र, सिटी, फतुहा, मोकामा, बिहटा में औद्योगिक क्षेत्र हैं।

प्रत्यक्ष प्रतिभा... मार्शल आर्ट्स के लिए एशिया बुक में शामिल हुए धाधी के युवक

सीतामढ़ी : जिले के बोखड़ा प्रखंड अंतर्गत धाधी ग्राम निवासी प्रत्यक्ष कुमार झा की प्रतिभा को प्रत्यक्ष सम्मान मिला है। उन्हें मार्शल आर्ट के लिए एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स एवं इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज करवाने के लिए सीतामढ़ी भारोत्तोलन संघ की ओर से डुमरा स्थित जानकी स्टेडियम में आयोजित एक समारोह में जिला खेल पदाधिकारी -सह-वरीय उपसमाहर्ता रंजना भारती और वरीय उपसमाहर्ता विभागीय जांच, धनंजय कुमार ने सीतामढ़ी गौरव रत्न से सम्मानित किया। विदित हो कि प्रत्यक्ष कुमार झा नानपुर थानांतर्गत धाधी ग्राम निवासी शास्त्रीय संगीत शिक्षक देवचंद्र झा के होनहार पुत्र हैं। क्षेत्र के खेलप्रेमियों ने इस उपलब्धि पर प्रत्यक्ष को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

मिथिला डायरी

सुधरेगी दरभंगा की शिक्षा-व्यवस्था, जिले को मिले हजारों नए शिक्षक

दरभंगा : जिले की शैक्षणिक-व्यवस्था में सुधार के लिए राज्य सरकार की ओर से अहम कदम बढ़ाया गया है। हजारों की तादाद में दरभंगा को नए शिक्षक मिले हैं, जिनके सेवा ग्रहण करने से निश्चय ही जिले के विद्यालयों में शिक्षा सुधरेगी और परिणाम भी अच्छे आएंगे। शनिवार को प्लस टू एमएल एकेडमी में सभी कोटि को मिलाकर कुल 94 अभ्यर्थियों को नवचयनित अध्यापक के रूप में नियुक्ति पत्र व नए स्कूलों के लिए पदस्थापन पत्र हस्तगत कराया गया। जिला शिक्षा अधिकारी समर बहादुर सिंह के अनुसार शनिवार को माध्यमिक कक्षाओं के नवमी एवं 10वीं से संबंधित विज्ञान के लिए छह, संस्कृत के लिए तीन, हिंदी के लिए दो, गणित के लिए एक तथा सामाजिक विज्ञान में तीन नव चयनित अध्यापकों को नियुक्ति पत्र मिले। वहीं, उच्च माध्यमिक के लिए 13 नवचयनित अध्यापकों को नियुक्ति पत्र दिया गया। प्राथमिक कक्षाओं के लिए सामान्य कोटि में 61 नवचयनित अध्यापकों को नियुक्ति पत्र थमाया गया। प्राथमिक कक्षाओं में उर्दू कोटि में तीन अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया गया। इस प्रकार कुल 94 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सह पदस्थापन पत्र प्राप्त हुआ। इसके पूर्व, गुरुवार को 2316 नवचयनित तीनों कोटि के अध्यापकों को नियुक्ति पत्र उपलब्ध कराया गया था। पहले दिन कुल 187 नवचयनित अध्यापक विभिन्न कारणों से पदस्थापन पत्र प्राप्त नहीं कर सके थे। दूसरे दिन पदस्थापन पत्र की प्राप्ति के लिए सामान्य प्राथमिक विद्यालय के 4988 औपबंधिक नियुक्ति पत्र प्राप्त अध्यापकों को बुलाया गया था। 4787 नवचयनित अध्यापक नियुक्ति पत्र के लिए वितरण केंद्र पहुंचे थे।

दुस्साहस पर कसा शिकंजा, व्यवसायी से लूटपाट का आरोपी धराया

मधुबनी : जयनगर से दरभंगा जानेवाले राष्ट्रीय उच्चपथ 105 पर कलुआही चौक के समीप दिन-दहाड़े बदमाशों ने एक मोबाइल व्यवसायी से मोबाइल से भरा कार्टन लूट लिया। मोबाइल व्यवसायी खजौली थाना क्षेत्र अंतर्गत मरुकिया निवासी बाबू साहब झा उर्फ मुरारी कुमार झा जयनगर से एक बाइक पर मोबाइल का कार्टन एवं मोबाइल एसेसरीज लेकर जयनगर से दरभंगा जा रहे थे। उसी बीच बाइक सवार बदमाशों ने उनसे मारपीट करते हुए मोबाइल भरा उनका कार्टन लूट लिया। उनकी बाइक की चाबी छीनकर बाइक लेकर भागने लगे। इस बीच सूझबूझ दिखाते हुए पीड़ित ने 112 नंबर पर डायल कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही कलुआही थाना के अपर थानाध्यक्ष राहुल कुमार एवं पुअनि निर्मल सिंह दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गई और समय रहते दुस्साहसी बदमाश को दबोच लिया। साथ ही, व्यवसायी से लूटी गयी मोबाइल का कार्टन भी बरामद कर लिया।

इन 5 सूत्रों को अपनाकर संवारे जीवन

गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

बहुत सारे साधक मेरे पास तरह-तरह के प्रश्न लेकर आते हैं, तरह-तरह की विद्याओं के संबंध में पुस्तकें पढ़कर आते हैं, अलग-अलग ज्ञान और विद्याएं प्राप्त करने की जिज्ञासा प्रकट करते हैं। उनके लिए आज मैं वशीकरण विद्या का महासूत्र प्रदान कर देता हूं, जो मानव जीवन के लिए आवश्यक है। इस विद्या हेतु न तो कोई साधना करनी है, न कोई कठोर तप करना है और न हिमालय की किसी कन्दरा में जाकर बैठना है। बस, यह पांच सूत्र कभी भी खण्डित नहीं होने चाहिएं। पांच सूत्र सदैव साथ चलेंगे, तब वशीकरण क्या, संसार की और सारी विद्याएं भी आपको सिद्ध होने लगेंगी।

पहला सूत्र - स्वास्थ्य

शरीर निरोग है तो रक्त प्रवाह श्रेष्ठ रहेगा। शुद्ध रक्त से उत्तम सौन्दर्य प्रकट होगा। आप ही देख लो, यदि कोई व्यक्ति रंग, बनावट से तो सुन्दर है, लेकिन स्वास्थ्यहीन है, पीला पड़ा चेहरा है, नेत्रों में दीनता है, पीड़ा और असमर्थता झलक रही है तो फिर रूपवान होने का क्या अर्थ है?

यह ध्यान रखें कि शरीर का रंग चाहे गोरा हो या काला हो, नाटे हो या लम्बे हो, सुन्दरता अंगों से नहीं होती है, सुन्दरता होती है उस तेज से, जो शुद्ध रक्त के द्वारा प्रकट होता है। इसी तेज को आकर्षण शक्ति कहते हैं। बस, आपके चेहरे पर तेज है तो सब आपकी ओर आकर्षित हो जाएंगे। स्वास्थ्य की रक्षा नहीं की तो दूसरे क्या, आप के आश्रित भी आपके वशीभूत नहीं होंगे।

दूसरा सूत्र - प्रसन्न रहना

प्रसन्न तो रहना ही है। कहते हैं, जो हंसता है, वह पुष्प समान खिल जाता है और खिले हुए पुष्प पर ही मधुमक्खियां, भंवरे मंडराते हैं। आपके चेहरे पर जब मुस्कुराहट नृत्य करती है तो फिर आपके शरीर से ईर्ष्या, द्वेष, चिन्ता को जगह ही नहीं मिलती।

कामयाबी तो खुशमिजाज लोगों को ही मिलेगी। दुनिया में किसे फुर्सत है कि आप अपने दुर्भाग्य, दुःख और निराशा का रोना रोएं, लोग आपके प्रति आकर्षित होने की बजाय विकर्षित हो जाएंगे। आप हंसोगे तो लोग आपके साथ हंसेंगे, मुस्कुराएंगे अवश्य।

अरे भाई! कोई मुसीबत आ गई है तो हंसते-हंसते उसका सामना करिए ना। रोने से कोई ज्यादा ताकत आती है? ताकत तो हंसने से ही आती है। कई बार मैं देखता हूं कि आप हंसना तो भूल ही गए। गंभीर चेहरा लटकाकर बैठे रहते हो। हंसना तो एक कला है और यह कला आपके भीतर ही है। इसे चेहरे तक लाइए। बस, आपका जीवन सरस, स्निग्ध हो जायेगा।

जब आपने अपने चेहरे पर हंसी की मधुर रेखा खींची है, सब आकर्षित होंगे। भगवान बालकों को यह गुण उपहार में देता है और आप अपने इस गुण को विस्तार से, गंभीरता से ढक देते हो। यह तो आत्मा का गुण है। यह दूसरों को वश में कर सकता है और आपको भी शांत और मुक्त बना देता है।

तीसरा सूत्र - श्रेष्ठ विचार

विचार तो सदैव शुद्ध ही होने चाहिए और निःस्वार्थ होने चाहिए। सबसे बड़ी शक्ति भावना में ही है। इससे आपके चारों ओर एक विशेष वातावरण बनता है, जिसमें वशीकरण का पूर्ण प्रभाव होता है। प्रेम और पवित्रता के विचार रखोगे तो संसार की सारी सद्भावना आपके पास उमड़-उमड़ कर आएगी। प्रसन्नता की छाया आपको ढ़ंक देगी। विचार अच्छे तो कर्म अच्छे। कर्म अच्छे तो कभी किसी के सामने शर्म भी नहीं आएगी। आप निश्चिंत, निर्द्वन्द्व होकर कार्य करेंगे। आपके श्री मुख पर वैभव की वास्तविक आभा देदीप्यमान होगी।

चौथा सूत्र - मधुर वचन

बोलिए सदैव मीठा, वाणी वशीकरण का आधार है। क्यों हम किसी को कड़वे वचन बोलें, तज दे वचन कठोर...! क्रोध और कटता पूर्ण वचनों में विनय और विनम्रता नहीं होती। मधुर वचनों में विनय और विनम्रता दोनों होते हैं और विनम्र वचनों से तो मनुष्य क्या, देवता भी आपके बस में हो जाते हैं। प्रेम पूर्वक गाए गए भजनों, वचनों से क्या देवता आपके वशीभूत नहीं होते? अवश्य होते हैं!

पांचवा सूत्र - उदारता

मन रे तू उदार बन। किसी आदमी का दिल रुपए-पैसे से नहीं खरीदा जा सकता। उदार भाव और प्रेम भाव से उसे अपना बना सकते हैं। जिन्हें आप अपना प्रेम पात्र बनाना चाहते हैं, उनके साथ कुछ एहसान कीजिए, उनके काम में सहयोग कीजिए। बस, इस कीमत में सब आपके वश में हो जाएंगे। जहां केवल लेन-देन का व्यापार होता है, वहां वशीकरण की शक्ति नहीं होती। जहां स्वभाव उदार होता है, वहां आपकी वशीकरण की शक्ति हजार गुना बढ़ जाती है। प्रेमी हृदय रखिए। प्रेमी हृदय सदा ही देने का ही भाव रखता है। जिस प्रकार प्रेम में लेन-देन नहीं होता है... और जो प्रेमी हृदय वाला होता है, उसमें वशीकरण की शक्ति अपने आप उत्पन्न हो जाती है।

इस वशीकरण की शक्ति से मनुष्य तो क्या, ईश्वर और दैव को भी आप वशीभूत कर सकते हैं। तीव्र इच्छा शक्ति होनी चाहिए। विशुद्ध आकांक्षा होनी चाहिए। प्रेम की भक्ति का बंधन तो अटूट है। वहां परमात्मा, गुरु, देव सब आपके सहचर बन जाते हैं। प्रसन्न रहें और अपने श्रेष्ठ विचारों पर गतिशील रहें...।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

ये आयुर्वेदिक उपाय अपनाएं, कंट्रोल में रहेगा बीपी

हाई ब्लडप्रेशर (उच्च रक्तचाप) आजकल कामकाज और जीवनशैली के तनाव के कारण एक आम स्वास्थ्य समस्या है। यदि आप अपने रक्तचाप को सामान्य सीमा में रखना चाहते हैं और उच्च ब्लडप्रेशर से बचना चाहते हैं, तो आयुर्वेदिक उपचार आपके लिए मददगार साबित हो सकते हैं। निम्नलिखित आयुर्वेदिक उपचार आपके लिए उपयोगी हो सकते हैं -

त्रिफला - त्रिफला एक प्राचीन आयुर्वेदिक औषधि है जो रक्तचाप को संतुलित करने में मदद कर सकती है। इसे हर दिन गर्म पानी के साथ पीने से लाभ होता है।

अर्जुन छाल -अर्जुन की छाल रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकती है।

तुलसी का सेवन - तुलसी के प ों का सेवन रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकता है। तुलसी के प ो एक प्राकृतिक लड प्रेशर नियंत्रक के रूप में काम करते हैं।

योग और प्राणायाम - योग और प्राणायाम के अ यास से तनाव को कम करने और रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

स्वस्थ आहार - खाने में नमक और तेल की मात्रा को कम करें, हरा सजी, फल, दाल, और दलिया जैसे स्वस्थ आहार को अपनाएं।

अदरक और लहसुन - अदरक और लहसुन का सेवन रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकता है। यदि आपको उच्च रक्तचाप की समस्या है, तो आयुर्वेदिक उपचार आपके लिए मददगार साबित हो सकते हैं। साथ ही, स्वस्थ आहार और नियमित व्यायाम का भी महत्व है जो आपके रक्तचाप को नियंत्रित रखने में मदद करेगा।

सेल के विकास में साझा दृष्टिकोण तैयार करने को एकजुट हुए अधिकारी

सेल विजन स्टेटमेंट सर्वे बोकारो और राउरकेला स्टील प्लांट में लाइव किया गया

संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल), राउरकेला स्टील प्लांट (आरएसपी) और संबंधित इकाइयों के लिए सेल विजन स्टेटमेंट सर्वे का गो लाइव कार्यक्रम श्री अतानु भौमिक, निदेशक प्रभारी आरएसपी, अतिरिक्त प्रभार निदेशक प्रभारी बीएसएल द्वारा शनिवार को राउरकेला में आयोजित एक समारोह में लॉन्च किया गया। इस गो लाइव कार्यक्रम में बीएसएल से अधिशासी निदेशक(संकार्य) बीके तिवारी, अधिशासी निदेशक (एमएम) अमिताभ श्रीवास्तव, अधिशासी निदेशक (पी एंड ए) राजन प्रसाद, अधिशासी निदेशक (कोलियरी) अनुप कुमार, अधिशासी निदेशक (माइंस) जे दासगुप्ता, अधिशासी निदेशक (एसआरयू) पीके रथ, सीएमओ (बीजीएच) डॉ बीबी करुणामय, बीएसएल, झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस, कोलियरीज, एसआरयू के मुख्य महाप्रबंधक और वरिष्ठ अधिकारी और बीएसएल कोर कमेटी के सदस्यों ने वीडियो

कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विजन स्टेटमेंट सर्वे गो लाइव कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर आरएसपी और संबद्ध इकाइयों के अधिशासी निदेशक और सीजीएम भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान निदेशक प्रभारी श्री भौमिक ने सर्वेक्षण प्रश्नावली लिंक का अनावरण किया और सभी से इस अभियान को सफल बनाने के लिए इसमें भाग लेने का आग्रह किया। तेजी से बदलते व्यावसायिक परिदृश्य में इस विशेष अभियान के महत्व पर जोर देते हुए, श्री भौमिक ने कहा, 'आप सभी को यहां इकट्ठा करने का कारण आपकी सहभागिता को सुरक्षित करना और सेल के लिए एक साझा विजन स्टेटमेंट तैयार करना है।' श्री भौमिक ने विजन स्टेटमेंट की अहमियत और विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए कर्मियों को इसे नया आकार देने के इस अभियान के सर्वे में भाग लेने का संदेश दिया। इससे पहले, अनुबिंदा मोहंती, जीएम (बिजनेस एक्सीलेंस), आरएसपी ने 'विजन स्टेटमेंट के पुनर्लेखन', इसके महत्व, इतिहास, वांछित विशेषताओं और सर्वेक्षण की अनुसूची पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी। बीरेंद्र कुल्लू, सीजीएम (पी एंड ए), आरएसपी ने अधिकतम कर्मचारी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आरएसपी में अपनाई जा रही रणनीतियों के बारे में बात की। मणिकांत धान, सीओसी, बीएसएल ने इस सर्वे अभियान को प्रभावी बनाने के लिए बीएसएल में अपनाई जाने वाली रणनीतियों का विवरण देते हुए एक प्रस्तुति दी।

आरंभ में राजश्री बनर्जी, सीजीएम (एचआरडी), आरएसपी ने अपने स्वागत भाषण में पूरे अभियान में शामिल कोर टीम के ठोस प्रयासों को संक्षेप में रेखांकित किया। सुनीता सिंह, सीजीएम (पीपी एंड सी), आरएसपी ने अंत में औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उल्लेखनीय है कि सेल के वर्तमान विजन स्टेटमेंट को वर्ष 2001 में अपनाया गया था। बदले हुए परिदृश्य और कंपनी की समकालीन आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए विजन स्टेटमेंट को फिर से तैयार करने के उद्देश्य से, सर्वेक्षण के माध्यम से एक सेल-व्यापी अभियान शुरू किया गया है। बीएसएल में, सर्वेक्षण प्रश्नावली भरने के लिए गूगल फॉर्म लिंक इंट्रानेट पर अपलोड किया गया है और बीएसएल और संबंधित इकाइयों के कर्मचारियों को सर्वेक्षण में भाग लेने में सक्षम बनाने के लिए व्हाट्सएप, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म आदि के माध्यम से भी प्रसारित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, शॉप कार्मिक अधिकारी कर्मचारियों को सर्वेक्षण प्रश्नावली भरने में सुविधा प्रदान करेंगे जो द्विभाषी (हिंदी और अंग्रेजी) में उपलब्ध है।

61वीं राष्ट्रीय स्पीड रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में बोकारो के तीन बच्चों का किया गया चयन

- चेन्नई में 15 दिसंबर से दिखाएंगे अपने दमखम -

संवाददाता

बोकारो : बोकारों के तीन प्रतिभाशाली बच्चे 61वीं राष्ट्रीय स्पीड रोलर प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए चुने गए हैं। यह प्रतियोगिता 15 से 25 दिसम्बर के बीच चेन्नई में आयोजित की जा रही है। तीनों बच्चों का चुनाव रांची स्थित खेल गांव मे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता बनने के बाद तय हुया। विदित हो कि इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखंड से कुल 48 बच्चे भाग ले रहे हैं।

बोकारो से चयनित छात्रों में अरुण कुमार दास के पुत्र अक्षत दास- कैडेट, दीपक तिरिया के पुत्र ईशान तिरिया- सबजूनियर और जीवन दास के पुत्र आयुष ओम दास - जूनियर के नाम शामिल हैं। ये तीनों क्रमशः डीपीएस बोकारो, जीजीपीएस बोकारो और डीपीएस बोकारो के छात्र हैं।

ये तीनों छात्रों इस प्रतियोगिता के लिए, बोकारो स्थित खेल परिसर, सेक्टर-4 में नियमित रूप से सप्ताहांत में काफी अभ्यास कर रहे हैं। प्रशिक्षक रोहित (प.बं.) के मार्गदर्शन में वे अपने खेल के गुर सीख रहे हैं। रोहित ने इन बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं भी दी हैं। इन बच्चों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, खेल परिसर के सभी सदस्यों और अपने प्रशिक्षक को दिया है।

पेज- 1 का शेष

विकास की सौगात...

अटल बिहारी वाजपेयी के योगदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का एक वीडियो संदेश चलाया गया और प्रधानमंत्री ने विकसित भारत संकल्प की शपथ भी दिलाई।

इन योजनाओं की रखी आधारशिला : प्रधानमंत्री ने जिन परियोजनाओं की आधारशिला रखी, उनमें एनएच 133 के महगामा-हंसडीहा खंड के 52 किमी लंबे हिस्से को चार लेन का बनाना, एनएच 114 ए के बासुकीनाथ-देवघर खंड के 45 किलोमीटर लंबे हिस्से को चार लेन का बनाना; केडीएच-पूणार्डीह कोल हैंडलिंग प्लांट; आईआईआईटी रांची का नया शैक्षणिक और प्रशासनिक भवन शामिल है।

इनका हुआ उद्घाटन-लोकार्पण : जिन परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण किया गया, उनमें आईआईएम रांची का नया परिसर, आईआईटी आईएसएम धनबाद का नया छात्रावास; बोकारो में पेट्रोलियम तेल और स्नेहक (पीओएल) डिपो; कई रेलवे परियोजनाएं जैसे हटिया-पकरा खंड, तालगड़िया-बोकारो खंड और जारंगडीह-पतरातू खंड का दोहरीकरण शामिल है। इसके अलावा, झारखंड राज्य में शत-प्रतिशत रेलवे विद्युतीकरण की उपलब्धि भी प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित की गई। उन्होंने रेल, सड़क, शिक्षा, कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के विभिन्न क्षेत्रों में उक्त विकास परियोजनाओं के लिए झारखंडवासियों को बधाई भी दी। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि राज्य जल्द ही अपने गठन के 25 वर्ष पूरे करेगा। साथ ही उन्होंने झारखंड में 25 योजनाओं की पूर्णता के लक्ष्य की दिशा में काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे राज्य के विकास को नई गति मिलेगी और जीवनयापन में आसानी को बढ़ावा मिलेगा।

शिक्षा का विस्तार और युवाओं को अवसर देने को सरकार प्रतिबद्ध : श्री मोदी ने आधुनिक राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर प्रकाश डालते हुए कहा, "सरकार शिक्षा का विस्तार करने और युवाओं को अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।" उन्होंने कहा कि यह छात्रों को अपनी मातृभाषा में चिकित्सा और इंजीनियरिंग का अध्ययन करने में सक्षम बनाती है। उन्होंने बताया कि पिछले 9 वर्षों में देश भर में 300 से अधिक विश्वविद्यालय और 5,500 नए कॉलेज स्थापित किए गए हैं। उन्होंने डिजिटल इंडिया अभियान और भारत के एक लाख से अधिक स्टार्ट-अप के साथ दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इकोसिस्टम बनने का भी जिक्र किया। श्री मोदी ने रांची में आईआईएम परिसर और आईआईटी-आईएसएम, धनबाद में नए छात्रावासों के उद्घाटन के बारे में भी चर्चा की।

'देश को बनाएंगे विकसित भारत' : अपने संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि अमृत काल के चार अमृत स्तंभ यानी भारत की महिला शक्ति, युवा शक्ति, कृषक शक्ति और हमारे गरीब और मध्यम वर्ग की शक्ति भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे और भारत को एक विकसित भारत बनाएंगे। इस अवसर पर अन्य लोगों के अलावा झारखंड के राज्यपाल श्री सी. पी. राधाकृष्णन, झारखंड के मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन और केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री अर्जुन मुंडा उपस्थित थे।

पर्यावरण-मैत्री इस्पात-उत्पादन...

23वें वार्षिक ग्रीनटेक पर्यावरण शिखर सम्मेलन - 2023 के दौरान प्रदान किया जाएगा।

कई बार रिसाइकिल हो सकती है स्टील

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, स्टील अपने आप में एक बहुत ही पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद है, क्योंकि इसे अपने असंभावित प्लास्टिक गुणों को खोए बिना कई बार पुनर्चक्रित किया जा सकता है। बीएसएल ने 2022-23 के दौरान पीएम उत्सर्जन भार 0.51 केजी/टीसीएस, विशिष्ट प्रवाह निर्वहन 0.236 घन मीटर/टीएसएस और विशिष्ट जल खपत 3.38 घन मीटर/टीसीएस के साथ अब तक का सर्वश्रेष्ठ स्थिरता पैरामीटर हासिल किया है। पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान बोकारो स्टील प्लांट के ठोस प्रयासों के परिणामस्वरूप पार्टिकुलेट मैटर उत्सर्जन में 12.07% की कमी और विशिष्ट अपशिष्ट निर्वहन में 77.3% की कमी आई है।

विकास, शांति और समृद्धि को ले गोलबंद हुए 14 देश

भारत-प्रशांत आर्थिक फ्रेमवर्क आपूर्ति श्रृंखला समझौते पर भागीदारों ने किए अपने हस्ताक्षर

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : समृद्धि के लिए भारत-प्रशांत आर्थिक फ्रेमवर्क (आईपीईएफ) की तीसरी मंत्रिस्तरीय बैठक का आयोजन अमेरिका की मेजबानी में सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया में किया गया। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, वस्त्र तथा वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया। आईपीईएप का शुभारंभ 23 मई, 2022 को टोक्यो में संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत-प्रशांत क्षेत्र के अन्य भागीदार देशों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। आईपीईएफ के 14 भागीदार देशों में ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, फिजी, भारत, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया गणराज्य, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, वियतनाम और अमेरिका शामिल हैं। इनका लक्ष्य क्षेत्र में विकास, शांति और समृद्धि को आगे बढ़ाने के लक्ष्य के साथ साझेदार देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाना है।

यह प्रारूप व्यापार से संबंधित चार स्तंभों अर्थात व्यापार - (स्तंभ 1); आपूर्ति श्रृंखला (स्तंभ 2); स्वच्छ अर्थव्यवस्था (स्तंभ 3) और निष्पक्ष अर्थव्यवस्था (स्तंभ 4) से संबंधित है। भारत आईपीईएफ के स्तंभ 2 से 4 में शामिल है, जबकि स्तंभ- 1 में इसे पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त है।

इस मंत्रिस्तरीय बैठक में आईपीईएफ स्तंभ- 3 (स्वच्छ अर्थव्यवस्था), स्तंभ 4 (निष्पक्ष अर्थव्यवस्था) और समृद्धि के लिए भारत-प्रशांत आर्थिक प्रारूप पर समझौते (एक आयोग की स्थापना के लिए मंत्री-स्तरीय परिषद) के अंतर्गत वार्तालाप बातचीत हुई। बैठक में सकारात्मक निष्कर्ष पर पहुंचा गया। इसके अलावा, मई 2023 में आईपीईएफ आपूर्ति श्रृंखला समझौते पर वार्ता के महत्वपूर्ण निष्कर्ष के बाद, आईपीईएफ मंत्रियों ने मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान आईपीईएफ आपूर्ति श्रृंखला समझौते पर हस्ताक्षर किए। सैन फ्रांसिस्को मंत्रिस्तरीय बैठक के समापन पर स्तंभ-वार प्रेस वक्तव्य जारी किया गया, जिसमें महत्वपूर्ण रूप से संपन्न प्रत्येक स्तंभ के तहत योजनाबद्ध रूपरेखा और प्रयासों का उल्लेख किया गया

स्वच्छ अर्थव्यवस्था (स्तंभ- 3) के अंतर्गत, आईपीईएफ भागीदारों का लक्ष्य स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु अनुकूल प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान, विकास, व्यावसायीकरण, उपलब्धता, पहुंच और तैनाती पर सहयोग को आगे बढ़ाना और क्षेत्र में जलवायु से संबंधित परियोजनाओं के लिए निवेश की सुविधा प्रदान करना है। इस स्तंभ के अंतर्गत अपने विचार रखते हुए श्री गोयल ने नवीन और किफायती जलवायु अनुकूल प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान और विकास पर भागीदारों के बीच सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

इसके अलावा, श्री गोयल ने इस स्तंभ के तहत परिकल्पित सहकारी कार्य कार्यक्रमों के कार्यान्वयन को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर भी बल दिया, जिसमें हाइड्रोजन आपूर्ति श्रृंखला पहल और पाइपलाईन में अन्य प्रस्ताव जैसे जैव ईंधन और ई-अपशिष्ट पुनर्चक्रण के लिए भारत का प्रस्ताव शामिल है।

टेरर-फंडिंग के खिलाफ सशक्त होगा संयुक्त संकल्प : गोयल

निष्पक्ष अर्थव्यवस्था (स्तंभ- 4) के अंतर्गत, आईपीईएफ भागीदारों का लक्ष्य आईपीईएफ अर्थव्यवस्थाओं के बीच वाणिज्य, व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी भ्रष्टाचार विरोधी और कर उपायों के कार्यान्वयन को मजबूत बनाना है। इस स्तंभ के तहत अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री गोयल ने समझौते से उभरने वाले प्रमुख लाभों के रूप में भागीदारों के बीच सूचना साझाकरण को बढ़ाने, संपत्ति की वसूली की सुविधा और सीमा पार जांच एवं अभियोजन को मजबूत करने पर जोर दिया। इसके अलावा, उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि इससे भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी वित्तपोषण के खिलाफ लड़ने का संयुक्त संकल्प मजबूत होगा।

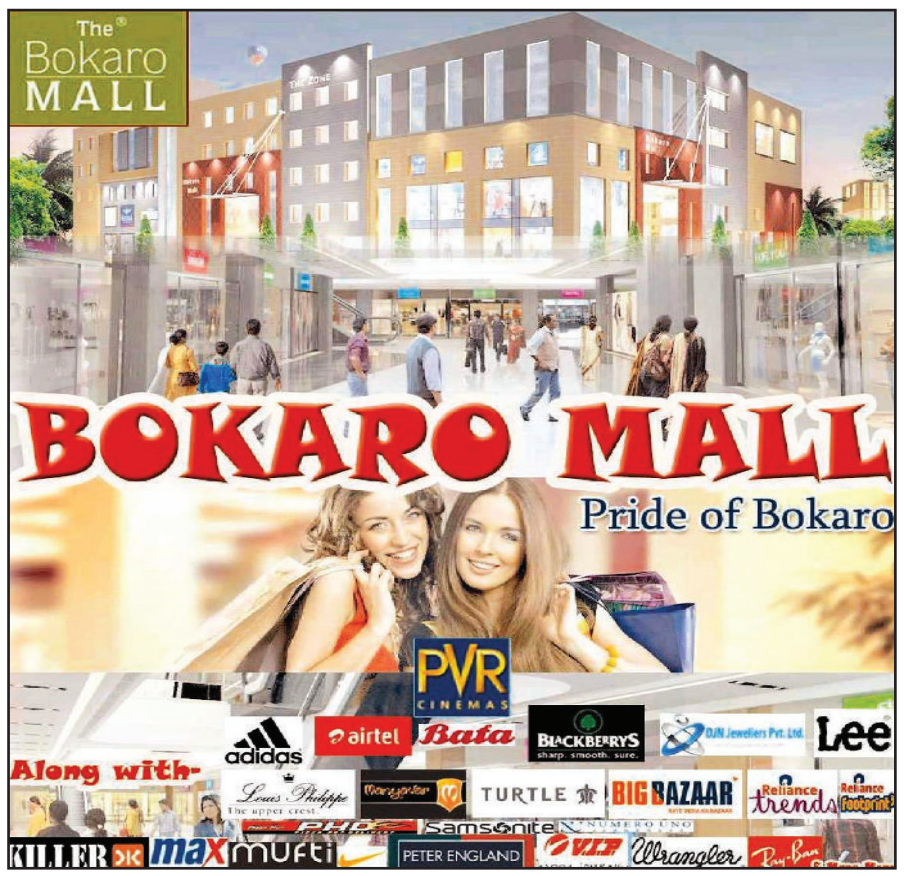

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)